

मुख्य जनसंपर्क अधिकारी का कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया

प्रेस विज्ञप्ति

जामिया मिल्लिया इस्लामिया के वाइस चांसलर और रजिस्ट्रार ने विश्वविद्यालय के सभी विभागों और केंद्रों के 'सब्जेक्ट एसोसिएशन' के निर्वाचित पदाधिकारियों के साथ किया विस्तृत संवाद

नई दिल्ली, 16 अक्टूबर, 2026

लोकतांत्रिक और सहभागी शासन व्यवस्था सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, जामिया मिल्लिया इस्लामिया (JMI) के वाइस चांसलर प्रो. मजहर आसिफ़ और रजिस्ट्रार प्रो. महताब आलम रिज़वी ने विश्वविद्यालय के सभी विभागों और केंद्रों के 'सब्जेक्ट एसोसिएशन' के पदाधिकारियों—यानी उपाध्यक्ष, महासचिव और संयुक्त सचिव—के साथ एक लंबी बैठक की। 'सब्जेक्ट एसोसिएशन', जो हर विभाग और केंद्र का एक अहम हिस्सा होता है, हर साल गठित किया जाता है। इसमें शामिल पदाधिकारी जेएमआई की निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार चुने जाते हैं। ये 'सब्जेक्ट एसोसिएशन' एक अत्यंत लोकतांत्रिक व्यवस्था की नींव रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। हर साल अपने-अपने विभागों और केंद्रों में होने वाले चुनावों के माध्यम से, ये एसोसिएशन सुनिश्चित करते हैं कि विभिन्न पाठ्यक्रमों में नामांकित प्रत्येक छात्र का प्रतिनिधित्व हो।

छह घंटे से अधिक समय तक चले इस सत्र का उद्देश्य छात्रों को एक ऐसा मंच प्रदान करना था, जहाँ वे खुलकर अपनी चिंताएँ व्यक्त कर सकें, रचनात्मक समाधान सुझा सकें, उपयोगी विचार साझा कर सकें और विश्वविद्यालय के विकास के लिए मिलकर एक रोडमैप तैयार कर सकें। इस बैठक का संचालन छात्र कल्याण डीन, प्रो. नीलोफर अफजल ने किया। उन्होंने सभी पदाधिकारियों का स्वागत किया और उन्हें अपने विचार साझा करने के लिए आमंत्रित किया। साथ ही, उन्होंने छात्रों को प्रोत्साहित किया कि वे इसे विश्वविद्यालय के नेतृत्व के साथ सीधे जुड़ने के एक अवसर के रूप में देखें।

जामिया के रजिस्ट्रार प्रो. रिज़वी ने 'तालिमी मेला' के दौरान आयोजित शैक्षणिक और साहित्यिक गतिविधियों के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने एक निर्वाचित निकाय के रूप में 'सब्जेक्ट एसोसिएशन' की अहमियत को भी रेखांकित किया, जो छात्रों के हितों और मुद्दों को सामने लाने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

जामिया के वाइस चांसलर प्रो. मजहर आसिफ़ ने विभिन्न विभागों और केंद्रों के सभी प्रतिनिधियों के साथ व्यक्तिगत रूप से बातचीत की।

इस बैठक में सभी विभागों, केंद्रों और संकायों के छात्र नेताओं ने भाग लिया, और सभी प्रतिनिधियों को अपने विचार रखने के लिए पर्याप्त समय दिया गया। छात्रों की ओर से उद्योग और शिक्षा जगत के बीच जुड़ाव बढ़ाने, प्लेसमेंट की पहल को मजबूत करने और छात्र विनिमय कार्यक्रमों को संस्थागत रूप देने के लिए रचनात्मक और समझदारी भरे सुझाव मिले।

विश्वविद्यालय प्रशासन ने सभी शिकायत, सुझाव और अनुरोध को पूरे ध्यान और सहानुभूति के साथ सुना, और सामने लाए गए सभी मुद्दों को नोट किया। इन मुद्दों पर प्रतिक्रिया देते हुए, वाइस चांसलर प्रो. मजहर आसिफ़ ने कहा कि उठाए गए मुद्दों के समाधान को अल्पकालिक और दीर्घकालिक श्रेणियों में बांटा जा सकता है, और उसी के अनुसार उन पर कार्रवाई की जाएगी। प्रो. आसिफ़ ने बताया कि अल्पकालिक मुद्दों को तुरंत हल कर दिया जाएगा, जबकि जिन मामलों में दीर्घकालिक योजना की आवश्यकता है, उन्हें फंड उपलब्ध होने पर सुलझाया जाएगा। उन्होंने उपस्थित लोगों को यह भी बताया कि SWAYAM कोर्स, भारतीय ज्ञान प्रणाली (Indian Knowledge System), NEP 2020 को लागू करने और इंटरनशिप जैसे महत्वपूर्ण पहलुओं के लिए नोडल अधिकारी नियुक्त किए गए हैं, जो इन सभी मुद्दों को हल करने के लिए पूरी लगन से काम कर रहे हैं। प्रो. आसिफ़ ने आगे कहा कि जामिया का सुचारू रूप से चलना प्रशासन और छात्रों दोनों की सामूहिक जिम्मेदारी है, और इसके सर्वांगीण विकास में दोनों का योगदान जरूरी है। उन्होंने छात्रों को इसमें सार्थक योगदान देने के लिए प्रोत्साहित किया।

इस बैठक में विभिन्न संकायों के डीन, विभागों के अध्यक्ष, केंद्रों के निदेशक, हॉस्टल के प्रोवोस्ट और विश्वविद्यालय के अन्य महत्वपूर्ण अधिकारी शामिल हुए, जिन्होंने सीधे छात्रों से बातचीत की और उनके सवालों के जवाब दिए। बैठक में उपस्थित लोगों में शैक्षणिक मामलों की डीन प्रो. तनुजा, परीक्षा नियंत्रक (कार्यवाहक) प्रो. एहतेशामुल हक और विश्वविद्यालय के लाइब्रेरियन डॉ. विकास सीतारामजी नागराले शामिल थे।

अंत में, जामिया के रजिस्ट्रार प्रो. मो. महताब आलम रिज़वी ने प्रतिभागियों को आश्वासन दिया कि प्रशासन और छात्रों के बीच संवाद को मजबूत, प्रभावी और विचार-विमर्श पर आधारित बनाए रखने के लिए भविष्य में इस तरह की बैठकें और अधिक बार आयोजित करने का प्रयास किया जाएगा।

प्रो. सायमा सईद
मुख्य जनसंपर्क अधिकारी